# AGRASEN CIVIL SERVICES ACADEMY

*Where tradition meets innovation*

ACSA

**1 से 7 मई 2023**

# साप्ताहिक करेंट अफेयर्स

For

# UPSC / RPSC EXAMS

*and All Other Competitive*

- स्टारबेरीसेंस पेलोड
- युवा पहल के लिए एआई और एआई के लिए ओडिशा
- कोणार्क सूर्य मंदिर परिसर के लिए विकासात्मक योजना
- TOEFL को कनाडा के स्टूडेंट डायरेक्ट स्ट्रीम के तहत स्वीकार किया गया
- नवीनतम आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण आंकड़े
- सबांग बंदरगाह पर व्यवहार्यता अध्ययन

A UNIT OF
AGRAWAL PG COLLEGE
Affiliated to University of Rajasthan | Managed by Shri Agrawal Shiksha Samiti
(A Co-Educational College)

+91-8824395504, +91-8290664069
www.acsajaipur.com
Agrasen Katla, Maharaja Agrasen Marg,
Agra Road, Jaipur - 302003

# Current Affairs 1 May to 7 May 2023

**Brief:-**

- स्टारबेरीसेंस पेलोड
- 2023 FW13 क्या है?
- मो घर' (मेरा घर) योजना:
- युवा पहल के लिए एआई और एआई के लिए ओडिशा
- कोणार्क सूर्य मंदिर परिसर के लिए विकासात्मक योजना
- TOEFL को कनाडा के स्टूडेंट डायरेक्ट स्ट्रीम के तहत स्वीकार किया गया
- नवीनतम आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण आंकड़े
- लिपिज़न घोड़े
- सबांग बंदरगाह पर व्यवहार्यता अध्ययन
- बोरेलिस मड ज्वालामुखी
- भूख हॉटस्पॉट - तीव्र खाद्य असुरक्षा पर एफएओ-डब्ल्यूएफपी प्रारंभिक चेतावनी
- सेबी की मध्यस्थ सलाहकार समिति
- इज़राइल -1 क्या है?

## स्टारबेरीसेंस पेलोड

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने 22 अप्रैल, 2023 को अपने पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (PSLV) C-55 रॉकेट पर StarBerrySense नामक एक कम लागत वाला स्टार सेंसर लॉन्च किया। भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (IIA) द्वारा विकसित, StarBerrySense का प्राथमिक उद्देश्य देखने के क्षेत्र की छवि बनाना, तारों की पहचान करना और अंतरिक्ष यान की ओर इशारा करते हुए दिशा की गणना करना है।

StarBerrySense सेंसर अपने देखने के क्षेत्र में सितारों की पहचान करके इंगित दिशा की गणना करता है। सेंसर सितारों की छवियों को कैप्चर करता है और उनका उपयोग अंतरिक्ष यान के दृष्टिकोण और अभिविन्यास को निर्धारित करने के लिए करता है। अंतरिक्ष यान की गति को नियंत्रित करने और उसे सही रास्ते पर रखने के लिए यह जानकारी महत्वपूर्ण है।

### अंतरिक्ष मिशनों में स्टार सेंसर का उपयोग करने के लाभ

अंतरिक्ष मिशनों में स्टार सेंसर का उपयोग अंतरिक्ष यान के उन्मुखीकरण के बारे में सबसे सटीक जानकारी प्रदान करता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि सेंसर पृष्ठभूमि में तारों की पहचान कर सकता है, जो अंतरिक्ष यान की स्थिति के लिए एक निश्चित संदर्भ बिंदु प्रदान करता है। यह अंतरिक्ष यान की गतिविधियों के सटीक नियंत्रण की अनुमति देता है और त्रुटियों और खराबी के जोखिम को कम करता है।

### पीएसएलवी कक्षीय प्रायोगिक मॉड्यूल (पीओईएम)

पीएसएलवी ऑर्बिटल एक्सपेरिमेंटल मॉड्यूल (पीओईएम) अंतरिक्ष में वैज्ञानिक प्रयोग करने के लिए एक मंच है। यह StarBerrySense सहित वैज्ञानिक उपकरणों और पेलोड के लिए एक स्थिर मंच प्रदान करता है। पीओईएम का प्राथमिक उद्देश्य वैज्ञानिक प्रयोगों को सक्षम करना है जिसके लिए अंतरिक्ष में एक स्थिर और नियंत्रित वातावरण की आवश्यकता होती है।

## 2023 FW13 क्या है?

एक खोज में, खगोलविदों ने हाल ही में एक ऐसे क्षुद्रग्रह की पहचान की है जो अर्ध-चंद्रमा की तरह व्यवहार करता है, जो सूर्य द्वारा गुरुत्वाकर्षण से बंधे होने के दौरान पृथ्वी की परिक्रमा करता है। 2023 FW13 नाम के इस नए खगोलीय पिंड ने अंतरिक्ष के प्रति उत्साही लोगों के बीच उत्साह जगाया है और वैज्ञानिक अन्वेषण के लिए एक अनूठा अवसर प्रदान करता है।

खगोलविदों का ध्यान आकर्षित करने वाले अर्ध-चंद्रमा को 2023 FW13 नाम दिया गया है। इस खगोलीय पिंड का निरीक्षण करने के लिए, विशेषज्ञों ने हवाई में राजसी हेलीकाला ज्वालामुखी के ऊपर स्थित शक्तिशाली पैन-स्टारआरएस टेलीस्कोप का उपयोग किया। इस टेलीस्कोप से सटीक अवलोकनों ने शोधकर्ताओं को इस असाधारण अर्ध-चंद्रमा की प्रकृति और व्यवहार में उल्लेखनीय अंतर्दृष्टि अनलॉक करने की अनुमति दी है।

क्वासी-मून, जिसे अर्ध-उपग्रह के रूप में भी जाना जाता है, हमारे ग्रह के चारों ओर हमारे प्राकृतिक उपग्रह, चंद्रमा के समान कक्षीय पैटर्न प्रदर्शित करता है। ये पिंड सूर्य के गुरुत्वाकर्षण खिंचाव से प्रभावित होकर पृथ्वी की कक्षा में दिखाई देते हैं। यह अनूठी विशेषता उन्हें अध्ययन के पेचीदा विषय बनाती है और खगोलविदों की जिज्ञासा को शांत करती है।

अर्ध-चंद्रमा के रूप में 2023 FW13 की खोज अपनी तरह की पहली नहीं है। 2016 में, खगोलविदों ने 469219 कामूआलेवा नामक एक प्रसिद्ध वस्तु की पहचान की, जिसे उस समय सबसे नन्हा, निकटतम और सबसे स्थिर ज्ञात अर्ध-उपग्रह माना जाता था। कई अर्ध-चंद्रमाओं की उपस्थिति पृथ्वी के आसपास के आकाशीय पिंडों की विविध और गतिशील प्रकृति को दर्शाती है।

Pan-STARRS वेधशाला ने शुरुआत में 28 मार्च को 2023 FW13 की उपस्थिति का पता लगाया था। कनाडा फ्रांस हवाई टेलीस्कोप, किट पीक वेधशाला और माउंट लेमन वेधशाला का उपयोग करके और अवलोकन किए गए, जो इस अर्ध-चंद्रमा की विशेषताओं को समझने के लिए अतिरिक्त डेटा प्रदान करते हैं। ये व्यापक अवलोकन खगोलविदों को आवश्यक जानकारी इकट्ठा करने और इस खगोलीय घटना की अपनी समझ को गहरा करने की अनुमति देते हैं।

वैज्ञानिकों का अनुमान है कि अर्ध-चंद्रमा जिस लूप में चलता है, उसकी त्रिज्या लगभग 0.18 खगोलीय इकाई है। यह महत्वपूर्ण रेडियस 2023 FW13 की कक्षा की अनूठी प्रकृति को और उजागर करता है और इसे एक असाधारण अर्ध-चंद्रमा के रूप में अलग करता है।

## मो घर' (मेरा घर) योजना:

नवीन पटनायक के नेतृत्व में ओडिशा सरकार ने हाल ही में "मो घर" या "माई होम" नामक एक नई आवास योजना की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य कच्चे घरों को पक्के घरों में बदलना है। इस योजना से राज्य में लगभग चार लाख परिवारों को लाभ होने की उम्मीद है।

मो घर योजना के कार्यान्वयन के लिए दो साल की अवधि में लगभग 2,150 करोड़ रुपये के वित्तीय निहितार्थ की आवश्यकता होगी। इस योजना के तहत, पात्र लाभार्थी 3 लाख रुपये तक का आवास ऋण प्राप्त कर सकते हैं। ऋण के लिए चुकौती की अवधि 10 वर्ष निर्धारित की गई है, जिससे लाभार्थियों के लिए लचीलापन और पुनर्भुगतान में आसानी होती है।

### पात्रता मानदंड और अतिरिक्त सब्सिडी

मो घर योजना के पात्र होने के लिए, परिवारों को या तो कच्चे घरों में रहना चाहिए या उनके पास ठोस कंक्रीट की छत वाला कम से कम एक पक्का कमरा होना चाहिए। हालांकि, चौपहिया वाहन वाले परिवार, सरकारी सेवा में सदस्य, या पांच एकड़ या अधिक सिंचित भूमि रखने वाले ऋण के लिए पात्र नहीं हैं। विशेष रूप से, अनुसूचित

जाति / अनुसूचित जनजाति वर्ग और अलग-अलग विकलांगों से संबंधित लाभार्थियों को अतिरिक्त सब्सिडी प्राप्त होगी, जिससे योजना अधिक समावेशी और हाशिए के समुदायों के लिए सहायक बन जाएगी।

**आवेदन प्रक्रिया और समयरेखा**

ओडिशा सरकार 16 जून से शुरू होने वाली मो घर योजना के लिए लाभार्थियों से आवेदन स्वीकार करना शुरू कर देगी। एक निर्बाध आवेदन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए, सरकार ने एक समर्पित पोर्टल स्थापित किया है जहां इच्छुक व्यक्ति अपने आवेदन जमा कर सकते हैं।

**वीर सुरेंद्र साई प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का पुनरुद्धार**

मो घारा योजना के अलावा, नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली कैबिनेट ने वीर सुरेंद्र साई प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वीएसएसयूटी) को पुनर्जीवित करने की एक महत्वपूर्ण योजना को भी मंजूरी दी है। 1956 में स्थापित और संबलपुर जिले में स्थित यह प्रसिद्ध इंजीनियरिंग संस्थान, 2,000 करोड़ रुपये के बजट के तहत एक व्यापक परिवर्तन से गुजरेगा। इसका उद्देश्य विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को बढ़ाना है, प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान को और बढ़ावा देना है।

## युवा पहल के लिए एआई और एआई के लिए ओडिशा

ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने हाल ही में राज्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की शक्ति का लाभ उठाने के उद्देश्य से दो महत्वपूर्ण पहलों का अनावरण किया। 'ओडिशा फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' और 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फॉर यूथ' नाम की पहल, डिजिटल साक्षरता, तकनीकी प्रगति और आर्थिक विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने के लिए तैयार हैं।

पहल का प्रारंभिक चरण भुवनेश्वर, पुरी और कटक के शहरों पर केंद्रित होगा। ये शहर विभिन्न क्षेत्रों में एआई समाधानों के व्यापक एकीकरण के लिए परीक्षण आधार के रूप में काम करेंगे। इन पहलों को शुरू करके, ओडिशा सरकार का लक्ष्य राज्य के तकनीकी परिदृश्य में क्रांति लाना और अन्य क्षेत्रों के अनुसरण के लिए एक मॉडल तैयार करना है।

**डिजिटल साक्षरता और तकनीकी परिचितता को बढ़ावा देना**

पहल के प्राथमिक लक्ष्यों में से एक जनता के बीच डिजिटल साक्षरता को बढ़ाना और उन्हें अत्याधुनिक तकनीकों से परिचित कराना है। व्यक्तियों के डिजिटल कौशल को बढ़ाकर, पहल का उद्देश्य तकनीकी विभाजन को पाटना और तेजी से डिजिटल दुनिया में फलने-फूलने के लिए नागरिकों को सशक्त बनाना है। राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी विभाग, इंटेल इंडिया के सहयोग से, इन प्रयासों को चलाने में सहायक रहा है।

**परिवर्तन और अधिकारिता की कल्पना करना**

इन पहलों के आर्थिक विकास, परिवर्तनकारी शासन और नागरिकों के जीवन की बेहतरी के लिए उत्प्रेरक होने की उम्मीद है। एआई की क्षमता का उपयोग करके, ओडिशा एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाना चाहता है जो विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान, नवाचार और अनुप्रयोग को बढ़ावा दे। सेवा वितरण में सुधार से लेकर रोजगार और उद्यमिता के लिए नए रास्ते पैदा करने तक की पहल से असीम संभावनाओं के खुलने की उम्मीद है।

**'ओडिशा फॉर एआई' कोर्स के साथ सभी के लिए एआई शिक्षा**

पहल के हिस्से के रूप में, 'ओडिशा फॉर एआई' पाठ्यक्रम इंटेल द्वारा अपने ऐप/साइट पर पेश किया जाएगा। 4 घंटे के इस नि:शुल्क कोर्स का उद्देश्य भुवनेश्वर, कटक और पुरी के निवासियों को एआई के मूल सिद्धांतों के बारे में शिक्षित करना है। यह एआई प्रौद्योगिकियों, अनुप्रयोगों और विभिन्न उद्योगों पर उनके संभावित प्रभाव में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए व्यक्तियों के प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है। पाठ्यक्रम प्रतिभागियों को एआई को अपनाने और डिजिटल क्रांति में सबसे आगे रहने के लिए सशक्त बनाता है।

**'एआई फॉर यूथ' पहल के साथ युवाओं को सशक्त बनाना**

'एआई फॉर यूथ' पहल विशेष रूप से चरण 1 और ओडिशा आदर्श विद्यालयों के 2000 5टी स्कूलों से 18 वर्ष से कम उम्र के छात्रों को लक्षित करती है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा दिमाग को एआई की दुनिया का पता लगाने और इस परिवर्तनकारी क्षेत्र में अपने कौशल को विकसित करने का अवसर प्रदान करना है। युवाओं को एआई ज्ञान से लैस करके, पहल का उद्देश्य उन्हें डिजिटल युग में भविष्य के नेता और योगदानकर्ता बनने के लिए सशक्त बनाना है।

**एआई लीडर के रूप में ओडिशा को पोजिशन करना**

इन पहलों के सफल कार्यान्वयन से ओडिशा को एआई कार्यान्वयन के मामले में भारत के शीर्ष राज्यों में स्थान मिलने की उम्मीद है। एआई-संचालित तकनीकों को अपनाने से, राज्य अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर सकता है और नवाचार, अनुसंधान और विकास का केंद्र बन सकता है। सरकारी कार्यक्रमों के समर्थन और प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों के सहयोग से, ओडिशा एआई के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हासिल करने के लिए तैयार है।

## कोणार्क सूर्य मंदिर परिसर के लिए विकासात्मक योजना

ओडिशा में कोणार्क सूर्य मंदिर परिसर का अत्यधिक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व है। इसकी सुंदरता और आगंतुक अनुभव को बढ़ाने के लिए, मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के नेतृत्व में ओडिशा मंत्रिमंडल ने हाल ही में कोणार्क विरासत क्षेत्र विकास योजना (केएचएडीपी) के तहत एक विकास परियोजना को मंजूरी दी है। 209 करोड़ रुपये से अधिक के बजट के साथ, इस पहल का उद्देश्य मंदिर परिसर के आसपास के भौतिक बुनियादी ढांचे को बदलना और पर्यटकों को समृद्ध अनुभव प्रदान करना है।

कोणार्क सूर्य मंदिर परिसर की विकास योजना मुख्य रूप से दो प्रमुख पहलुओं में सुधार पर ध्यान केंद्रित करती है: भौतिक बुनियादी ढांचा और आगंतुकों का अनुभव। विरासत स्थल को बनाए रखने और बढ़ाने के महत्व को स्वीकार करते हुए, सरकार का लक्ष्य नवीन डिजाइन और बहाली तकनीकों को लागू करके मंदिर परिसर को पुनर्जीवित करना है। यह न केवल इसकी स्थापत्य भव्यता को संरक्षित करेगा बल्कि आगंतुकों के लिए अधिक सुलभ और आनंददायक वातावरण भी बनाएगा।

**समापन समयरेखा और वित्त पोषण**

विकास परियोजना को 18 कैलेंडर महीनों के भीतर पूरा करने की तैयारी है। यह समय सीमा आगंतुकों को न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित करने के लिए समय पर निष्पादन पर सरकार के जोर को उजागर करती है। राज्य सरकार ने परियोजना के लिए अपनी मजबूत वित्तीय प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, कार्य के निष्पादन के लिए 209 करोड़ रुपये से अधिक का बजट आवंटित किया है।

## TOEFL को कनाडा के स्टूडेंट डायरेक्ट स्ट्रीम के तहत स्वीकार किया गया

कनाडा ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है जिससे देश में अध्ययन करने के इच्छुक अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को लाभ होगा। आप्रवासन, शरणार्थी और नागरिकता कनाडा (आईआरसीसी) ने स्टूडेंट डायरेक्ट स्ट्रीम (एसडीएस) के लिए स्वीकार्य स्कोर के रूप में विदेशी भाषा (टीओईएफएल) के रूप में अंग्रेजी की परीक्षा को मंजूरी दे दी है। यह विकास दुनिया भर के इच्छुक छात्रों के लिए नई संभावनाओं और अवसरों को खोलता है।

टीओईएफएल को एसडीएस के लिए स्वीकार्य स्कोर के रूप में शामिल करने का आईआरसीसी का निर्णय गेम-चेंजर है। पहले, अंतर्राष्ट्रीय अंग्रेजी भाषा परीक्षण प्रणाली (आईईएलटीएस) एसडीएस मार्ग के लिए अधिकृत एकमात्र अंग्रेजी-भाषा परीक्षण विकल्प था। टीओईएफएल की यह हालिया स्वीकृति अंतरराष्ट्रीय छात्रों को अपनी अंग्रेजी भाषा दक्षता प्रदर्शित करने के लिए एक और व्यवहार्य विकल्प देती है।

**स्टूडेंट डायरेक्ट स्ट्रीम को समझना**

स्टूडेंट डायरेक्ट स्ट्रीम एक ऐसा कार्यक्रम है जिसे अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए अध्ययन परमिट के प्रसंस्करण में तेजी लाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो कनाडा में नामित उत्तर-माध्यमिक शिक्षण संस्थानों में दाखिला लेने की योजना बना रहे हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों के लिए आसान मार्ग प्रदान करते हुए आवेदन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना और प्रसंस्करण समय को कम करना है।

**टीओईएफएल अनुमोदन के लाभ**

टीओईएफएल को एसडीएस के लिए स्वीकृत परीक्षण स्कोर के रूप में शामिल करने से कई लाभ मिलते हैं। सबसे पहले, यह अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए विकल्पों का विस्तार करता है, जिससे उन्हें अंग्रेजी भाषा प्रवीणता परीक्षा चुनने में अधिक लचीलापन मिलता है जो उनके लिए सबसे उपयुक्त है। दूसरे, यह आवेदकों के एक व्यापक पूल

के लिए दरवाजे खोलता है जो अब अंग्रेजी-भाषा प्रवीणता की प्रमुख परीक्षा के माध्यम से अपने कौशल का प्रदर्शन कर सकते हैं।

**सकारात्मक प्रतिक्रियाएं और टिप्पणियाँ**

ईटीएस में ग्लोबल हायर एजुकेशन एंड वर्कस्किल्स के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट रोहित शर्मा ने एसडीएस रूट में टीओईएफएल को शामिल करने के लिए उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने छात्रों और संस्थानों दोनों के लिए लाभों पर प्रकाश डाला, आवेदकों की व्यापक पहुंच पर जोर दिया और विश्वास संस्थानों को प्रमुख अंग्रेजी-भाषा प्रवीणता परीक्षा मिल सकती है।

**TOEFL iBT टेस्ट में बदलाव**

एसडीएस, ईटीएस के अनुमोदन के अलावा, टीओईएफएल का संचालन करने वाली संस्था ने परीक्षा देने के अनुभव को बढ़ाने के लिए परिवर्तनों की घोषणा की। 26 जुलाई, 2023 से TOEFL iBT टेस्ट को एक घंटे कम कर दिया जाएगा। सुव्यवस्थित निर्देश और नेविगेशन, अकादमिक चर्चा पर केंद्रित एक नया लेखन कार्य, एक छोटा पठन खंड, और गैर-स्कोरिंग प्रश्नों को हटाना परीक्षण को अनुकूलित करने के उद्देश्य से किए गए संशोधनों में से हैं।

## नवीनतम आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण आंकड़े

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 2023 की पहली तिमाही में भारत की शहरी बेरोजगारी दर 6.8% के ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गई। यह पिछली तिमाही की 7.2% की दर से महत्वपूर्ण कमी है। आंकड़े आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) पर आधारित हैं, जो वर्तमान साप्ताहिक स्थिति के संदर्भ में बेरोजगारी को मापता है।

पीएलएफएस की शुरुआत वर्ष 2018-19 में हुई थी और यह शहरी क्षेत्रों में रोजगार परिदृश्य में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। यह एक त्रैमासिक सर्वेक्षण है जो बेरोजगारी दर, श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर), श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर), और रोजगार की स्थिति और उद्योग द्वारा श्रमिकों के वितरण सहित विभिन्न श्रम बल संकेतकों पर केंद्रित है।

**लिंग के आधार पर बेरोजगारी दर**

2023 की पहली तिमाही में पुरुषों में बेरोजगारी दर 6.0% थी, जबकि महिलाओं में यह 9.2% थी। यह पिछली तिमाही की तुलना में मामूली सुधार का संकेत देता है, जहां पुरुषों के लिए दरें 6.5% और महिलाओं के लिए 9.6% थीं। Q4 FY23 में महिला श्रम बल की भागीदारी में 22.7% की वृद्धि, पिछली तिमाही में 22.3% से एक सकारात्मक विकास है।

**श्रमिक-जनसंख्या अनुपात और पुरुष श्रम बल भागीदारी**

15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए शहरी क्षेत्रों में श्रमिक-जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) में मामूली सुधार हुआ। जनवरी-मार्च 2023 में WPR 45.2% पर पहुंच गया, जबकि पिछली तिमाही में यह 44.7% था। पुरुषों में, WPR 45.2% थी, जबकि महिलाओं में यह 20.6% थी। तीसरी तिमाही में, संबंधित आंकड़े 68.6% और 20.2% थे। ये संख्याएँ शहरी क्षेत्रों में कार्यबल की सक्रिय भागीदारी को उजागर करती हैं।

## लिपिज़न घोड़े

स्लोवेनिया के सुंदर परिदृश्य में बसा लिपिका का छोटा सा गाँव, लिपिज़न घोड़ों के मंत्रमुग्ध कर देने वाले प्रदर्शन का पर्याय बन गया है। इन राजसी प्राणियों ने हाल ही में यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में अपना महत्व और सांस्कृतिक मूल्य को मजबूत करते हुए मान्यता प्राप्त की है।

लिपिका, लिपिज़न घोड़ों का घर, दुनिया के सबसे पुराने स्टड फार्मों में से एक है। 1580 में स्थापित यह ऐतिहासिक फार्म स्लोवेनिया की समृद्ध घुड़सवारी विरासत का प्रतीक बन गया है। हरी-भरी पहाड़ियों और हरे-भरे जंगलों से घिरा गांव का शांत वातावरण इन असाधारण घोड़ों के पालन-पोषण और प्रदर्शन के लिए एक आदर्श स्थान प्रदान करता है।

**हैब्सबर्ग कोर्ट की शानदार विरासत**

16 वीं शताब्दी में, हैब्सबर्ग अदालत द्वारा लिपिज़न घोड़ों को सावधानीपूर्वक पैदा किया गया था। उनके प्रजनन कार्यक्रम ने सफलतापूर्वक स्पेनिश, अरबी, और बरबर घोड़े की रक्तरेखाओं को मिश्रित किया, जिससे इसकी लालित्य, अनुग्रह और शक्ति के लिए प्रसिद्ध नस्ल का निर्माण हुआ।

**जमीन के ऊपर हवा: अश्वारोही कलात्मकता का प्रतीक**

लिपिज़न घोड़े अपने मनोरम "जमीन के ऊपर हवा" के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं। शास्त्रीय ड्रेसेज में किए गए ये जटिल और मांग वाले आंदोलन, गुरुत्वाकर्षण को धता बताते हुए सटीकता के साथ जटिल छलांग लगाने की घोड़ों की क्षमता का प्रदर्शन करते हैं, क्योंकि उनके खुर क्षण भर में जमीन छोड़ देते हैं। यह एक ऐसा तमाशा है जो दर्शकों को घोड़े और सवार के बीच के तालमेल से विस्मित कर देता है।

**अद्वितीय सौंदर्य: सफेद बाल, ग्रे त्वचा**

लिपिज़न घोड़ों का एक अलग और आकर्षक रूप है। जबकि उनका कोट सफेद दिखाई देता है, उनकी त्वचा वास्तव में धूसर होती है। यह अनूठा संयोजन उनके आकर्षण में जोड़ता है और उन्हें अन्य घोड़ों की नस्लों से अलग करता है।

**एक सामूहिक प्रयास: आठ देश संयुक्त**

लिपिज़न घोड़ों की अपनी साझा प्रजनन विरासत की मान्यता के लिए आठ देशों ने संयुक्त रूप से आवेदन किया। ऑस्ट्रिया, बोस्निया, क्रोएशिया, हंगरी, इटली, रोमानिया, स्लोवाकिया और स्लोवेनिया इन उल्लेखनीय घोड़ों की विरासत का सम्मान और रक्षा करने के लिए सेना में शामिल हुए।

**हाउते इकोले: द एलीट ट्रेनिंग ऑफ़ लिपिज़न हॉर्सेस**

शास्त्रीय ड्रेसेज में महारत हासिल करने के लिए, लिपिज़न घोड़ों को सम्मानित "हाउते इकोले" शैली में कठोर प्रशिक्षण से गुजरना पड़ता है। यह संभ्रांत प्रशिक्षण उनकी प्राकृतिक क्षमताओं को बढ़ाता है, जिससे वे कैंटरिंग, कैप्रीओल्स और समुद्री डाकू जैसे जटिल आंदोलनों को करने में सक्षम होते हैं।

**पोशाक में लालित्य: टेलकोट और बाइकोर्न टोपी**

अपने प्रदर्शन के दौरान, सवार पारंपरिक पोशाक पहनते हैं, लिपिज़न शो की भव्यता को बढ़ाते हैं। टेलकोट और नेपोलियन बाइकोर्न टोपी पहने, वे लिपिज़न घोड़ों से जुड़े लालित्य और ऐतिहासिक महत्व का प्रतीक हैं।

## सबांग बंदरगाह पर व्यवहार्यता अध्ययन

भारत और इंडोनेशिया ने हाल ही में इंडोनेशिया के आचे प्रांत में स्थित सबांग बंदरगाह के विकास पर एक संयुक्त व्यवहार्यता अध्ययन पूरा किया है। यह सहयोग दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक मूल्य रखता है और इसका उद्देश्य समुद्री संपर्क को बढ़ाना और हिंद महासागर में भारत की सैन्य स्थिति को मजबूत करना है।

सबांग बंदरगाह अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से लगभग 700 किमी दूर है। इसकी भौगोलिक स्थिति भारत को मलक्का जलडमरूमध्य तक आसान पहुँच प्रदान करती है, जो एक महत्वपूर्ण समुद्री व्यापारिक मार्ग के रूप में कार्य करता है। जलडमरूमध्य चीन के ऊर्जा आयात सहित वैश्विक व्यापार के एक बड़े हिस्से की सुविधा प्रदान करता है। इस प्रकार, सबंग बंदरगाह के विकास में भारत के आर्थिक और सैन्य हितों के लिए अपार संभावनाएं हैं।

**जहाजरानी जहाजों और पनडुब्बियों को समायोजित करना**

सबंग बंदरगाह शिपिंग जहाजों और पनडुब्बियों सहित विभिन्न प्रकार के जहाजों की मेजबानी के लिए उपयुक्त है। इस अवलोकन ने बंदरगाह के संभावित सैन्य उपयोगों के बारे में अटकलें लगाईं, जिससे इसके सामरिक महत्व में और इजाफा हुआ।

**व्यवहार्यता अध्ययन और वर्तमान प्रगति**

भारत ने एक व्यापक व्यवहार्यता अध्ययन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है जो सबांग बंदरगाह के विस्तार और विकास की संभावनाओं का आकलन करता है। अध्ययन के निष्कर्षों की वर्तमान में इंडोनेशियाई अधिकारियों

द्वारा समीक्षा की जा रही है। हालांकि बंदरगाह के निर्माण की प्रगति अपेक्षाकृत धीमी रही है, आसेह प्रांत और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए कई वर्षों से चर्चा और पहल चल रही है।

**भारत-इंडोनेशिया इन्फ्रास्ट्रक्चर फोरम (IIIF)**

दोनों देशों के बीच इंफ्रास्ट्रक्चर कनेक्टिविटी और सहयोग को मजबूत करने के लिए, भारत-इंडोनेशिया इंफ्रास्ट्रक्चर फोरम (IIIF) की स्थापना 2018 में की गई थी। यह फोरम भारत और इंडोनेशिया के निजी क्षेत्रों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। इसका उद्देश्य पारस्परिक लाभ को बढ़ावा देना और बंदरगाह परियोजनाओं सहित बुनियादी ढांचे के विकास के अवसरों का पता लगाना है।

**संभावित लाभ और भविष्य आउटलुक**

सबांग बंदरगाह का संयुक्त विकास भारत-इंडोनेशिया साझेदारी में बुनियादी ढांचे के महत्व को दर्शाता है। बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करने के अलावा, इस पहल के आर्थिक संबंधों और क्षेत्रीय स्थिरता पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकते हैं। यह भारत को विशेष रूप से हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की तुलना में एक रणनीतिक लाभ प्रदान करता है। इसके अलावा, आईआईआईएफ चल रहे सहयोग की सुविधा देता है और दोनों देशों में आगे की बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं के लिए मंच तैयार करता है।

## बोरेलिस मड ज्वालामुखी

वैज्ञानिकों ने भालू द्वीप - बोरेलिस मड ज्वालामुखी के पास नॉर्वेजियन जल में एक महत्वपूर्ण खोज की है। आर्कटिक (एकेएमए) अभियान में मीथेन के अग्रिम ज्ञान स्टीफन बुएंज़ के नेतृत्व में इस उल्लेखनीय पनडुब्बी भूगर्भीय गठन का पता चला।

सबमरीन मिट्टी के ज्वालामुखी प्राकृतिक संरचनाओं को आकर्षित कर रहे हैं जो सीबेड से मीथेन सहित तरल पदार्थ और गैसों के निरंतर निष्कासन से उत्पन्न होते हैं। ये गूढ़ संरचनाएँ पृथ्वी के गतिशील पानी के नीचे के परिदृश्य की एक झलक पेश करती हैं।

बोरेलिस मड ज्वालामुखी आठ फीट की ऊंचाई पर खड़ा है। एक विशाल गड्ढे के भीतर स्थित, यह पेचीदा भूगर्भीय विशेषता लगभग 18,000 साल पहले बड़े पैमाने पर मीथेन के विस्फोट के कारण बनी थी।

**पानी के नीचे के चमत्कारों का अनावरण**: मिट्टी के ज्वालामुखियों की प्रचुरता का अनुमान लगाना

जबकि बोरेलिस मड ज्वालामुखी एक उल्लेखनीय खोज है, यह विशाल संख्या में पनडुब्बी मिट्टी के ज्वालामुखियों का केवल एक अंश का प्रतिनिधित्व करता है जो विश्व स्तर पर समुद्र तल को आबाद करता है। वैज्ञानिक हजारों की संख्या में उनकी मौजूदगी का अनुमान लगाते हैं, हालांकि उनका पता लगाना और उनकी मैपिंग करना एक महत्वपूर्ण चुनौती पेश करता है।

पानी के नीचे मिट्टी के ज्वालामुखियों का अध्ययन पृथ्वी पर पिछले वातावरण और स्थितियों में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए अमूल्य अवसर प्रदान करता है। इसके अलावा, ये जांच अलौकिक परिदृश्यों और अन्य ग्रहों पर संभावित स्थितियों की हमारी समझ में योगदान करती है।

## भूख हॉटस्पॉट - तीव्र खाद्य असुरक्षा पर एफएओ-डब्ल्यूएफपी प्रारंभिक चेतावनी

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट ने दुनिया के विभिन्न हिस्सों में भूख हॉटस्पॉट की खतरनाक स्थिति और तीव्र खाद्य असुरक्षा पर प्रकाश डाला है। खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) और विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) द्वारा जारी "हंगर हॉटस्पॉट्स - एफएओ-डब्ल्यूएफपी तीव्र खाद्य असुरक्षा पर प्रारंभिक चेतावनी" शीर्षक वाली रिपोर्ट निम्न और मध्यम वर्ग के सामने आने वाली चुनौतियों में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। -आय वाले राष्ट्र।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और म्यांमार जैसे देश चिन्हित भूख हॉटस्पॉट में से हैं। ये क्षेत्र तीव्र खाद्य असुरक्षा के गंभीर स्तर का सामना कर रहे हैं, जिसके लिए तत्काल मानवीय कार्रवाई की आवश्यकता है। रिपोर्ट में तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता पर बल देते हुए जून से नवंबर 2023 तक स्थितियों के बिगड़ने के जोखिम पर प्रकाश डाला गया है।

### खाद्य असुरक्षा में वृद्धि

एफएओ और डब्ल्यूएफपी 22 देशों में 18 क्षेत्रों की पहचान करते हैं जो खाद्य असुरक्षा का अनुभव कर सकते हैं। अल नीनो जलवायु घटना के संभावित प्रभाव के साथ संयुक्त रूप से गहराते आर्थिक झटके, बढ़ते संकट में योगदान करते हैं। रिपोर्ट इन कमजोरियों को दूर करने और आगे की गिरावट को रोकने की तत्काल आवश्यकता पर जोर देती है।

### उच्चतम चिंता स्तरों पर देश

अफगानिस्तान, नाइजीरिया, सोमालिया, दक्षिण सूडान और यमन को तीव्र खाद्य असुरक्षा के लिए उच्चतम चिंता स्तर वाले देशों के रूप में चिह्नित किया गया है। ये क्षेत्र पहले से ही गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं, और अतिरिक्त उत्तेजक कारक स्थिति को और खराब करते हैं। रिपोर्ट हैती, साहेल (बुर्किना फासो और माली) और सूडान को उनकी कमजोर स्थितियों के कारण उच्चतम चिंता के स्तर पर ले जाती है।

### अति उच्च चिंता वाले हॉटस्पॉट

पाकिस्तान, मध्य अफ्रीकी गणराज्य, इथियोपिया, केन्या, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, सीरियाई अरब गणराज्य और म्यांमार सहित कई देशों को खाद्य असुरक्षा के लिए बहुत अधिक चिंता वाले हॉटस्पॉट के रूप में पहचाना जाता है। इन क्षेत्रों में बड़ी आबादी गंभीर तीव्र खाद्य असुरक्षा का सामना कर रही है, जो बिगड़ते चालकों से जटिल है।

### नए संयोजन और स्पिलओवर प्रभाव

रिपोर्ट में सितंबर 2022 से लेबनान, अल सल्वाडोर और निकारागुआ को भूख हॉटस्पॉट देशों की सूची में शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, सूडान में संकट महत्वपूर्ण स्पिलओवर प्रभाव पैदा कर रहा है, जिससे पड़ोसी देश प्रभावित हो रहे हैं। बड़े पैमाने पर जनसंख्या विस्थापन और भुखमरी उन लोगों के बीच देखी जाती है जिन्हें पलायन करने के लिए मजबूर किया गया था और जो उन्हें होस्ट कर रहे थे।

## सेबी की मध्यस्थ सलाहकार समिति

बाजार मध्यस्थों के संचालन में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए सेबी ने मध्यस्थ सलाहकार समिति की स्थापना की है।

### सेबी की मध्यस्थ सलाहकार समिति का उद्देश्य

सेबी की मध्यस्थ सलाहकार समिति कानूनी ढांचे में बदलाव का सुझाव देने और बाजार मध्यस्थों की प्रणालियों और प्रक्रियाओं में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए एक आवश्यक मंच के रूप में कार्य करती है। मूल्यवान अंतर्दृष्टि और सिफारिशें प्रदान करके, समिति का उद्देश्य बाजार सुरक्षा, दक्षता और पारदर्शिता में सुधार करना है।

### नेतृत्व और सदस्यता

मध्यस्थ सलाहकार समिति के वर्तमान अध्यक्ष एस रवींद्रन जैन हैं, जो सेबी के पूर्व कार्यकारी निदेशक हैं। 21 सदस्यों के साथ, समिति पूंजी बाजार के कामकाज के लिए महत्वपूर्ण विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधियों को एक साथ लाती है। इन उद्योगों में दलाली उद्योग, वित्तीय संस्थान, कानूनी क्षेत्र और सेबी के अपने सदस्य शामिल हैं।

### उल्लेखनीय सदस्य

समिति के सम्मानित सदस्यों में ज़ेरोधा ब्रोकिंग के संस्थापक और सीईओ नितिन कामथ हैं, जो ब्रोकरेज उद्योग में एक प्रमुख नाम है। लोकप्रिय निवेश मंच ग्रो के सीईओ ललित केशरे भी समिति को विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। उनका समावेश बाजार के बिचौलियों को प्रभावित करने वाली नीतियों को आकार देने में उद्योग के नेताओं के महत्व को दर्शाता है।

इसके अतिरिक्त, समिति को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के प्रबंध निदेशक और सीईओ आशीष चौहान और बीएसई के एमडी और सीईओ सुंदररमन राममूर्ति की अंतर्दृष्टि से लाभ होता है। उनका योगदान भारत में प्रमुख स्टॉक एक्सचेंजों से मूल्यवान दृष्टिकोण लाता है।

कमोडिटी पार्टिसिपेंट्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया (CPAI) का प्रतिनिधित्व करते हुए, नरेंद्र वाधवा, अध्यक्ष, और विजय मेहता, एसोसिएशन ऑफ़ नेशनल एक्सचेंज मेंबर्स ऑफ़ इंडिया (ANMI) के अध्यक्ष, अपने संबंधित क्षेत्रों में विशेष

ज्ञान लाते हैं। उनकी उपस्थिति बाजार की गतिशीलता और बाजार सहभागियों की जरूरतों की व्यापक समझ सुनिश्चित करती है।

सेबी की मध्यस्थ सलाहकार समिति बाजार मध्यस्थों से संबंधित प्रणालियों और प्रक्रियाओं में पारदर्शिता को सरल बनाने और बढ़ाने के उपायों पर नियामक को सलाह देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह अनुपालन सुनिश्चित करने और बाजार की अखंडता को सुरक्षित रखने के लिए बिचौलियों द्वारा प्रौद्योगिकी और साइबर सुरक्षा को अपनाने पर भी जोर देता है।

## इज़राइल -1 क्या है?

प्रसिद्ध यूएस गेमिंग और कंप्यूटर ग्राफिक्स की दिग्गज कंपनी एनवीडिया, एआई की दुनिया में अपने ग्राउंडब्रेकिंग प्रोजेक्ट, इज़राइल -1 के साथ PROJECT बना रही है।

**इज़राइल-1: द कटिंग-एज जनरेटिव AI क्लाउड सुपरकंप्यूटर**

एनवीडिया का इज़राइल-1 वैश्विक स्तर पर सबसे शक्तिशाली एआई सुपर कंप्यूटर बनने की ओर अग्रसर है। यह अत्याधुनिक मशीन एनवीडिया के स्पेक्ट्रम-एक्स नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म का लाभ उठाएगी, जो विशेष रूप से जनरेटिव एआई वर्कलोड के लिए तैयार किए गए एक उद्देश्य-निर्मित उच्च-प्रदर्शन ईथरनेट आर्किटेक्चर है। इजरायल-1 की तैनाती आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में एक प्रमुख उपलब्धि का प्रतिनिधित्व करती है।

एनवीडिया का स्पेक्ट्रम-एक्स नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म डेटा केंद्रों के लिए गेम-चेंजर है। इसका प्राथमिक उद्देश्य एआई और त्वरित कंप्यूटिंग में सुचारु परिवर्तन की सुविधा प्रदान करना है। जनरेटिव एआई अनुप्रयोगों और ओपनएआई के चैटजीपीटी जैसे कार्यभार में वृद्धि के साथ, डेटा केंद्रों को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जो अल्ट्रा-फास्ट कंप्यूटिंग प्रदर्शन और बड़े पैमाने पर मेमोरी की मांग करते हैं। स्पेक्ट्रम-एक्स अगली पीढ़ी के एआई वर्कलोड की मांगों को संभालने में सक्षम ईथरनेट नेटवर्किंग का एक उन्नत वर्ग प्रदान करके बाधाओं को समाप्त करता है।

इज़राइल -1 आठ एक्सफ़्लॉप का उल्लेखनीय प्रदर्शन हासिल करने के लिए तैयार है, जिससे यह प्रति सेकंड एक क्विंटिलियन गणनाओं को अंजाम देने में सक्षम हो जाता है। पारंपरिक वैज्ञानिक कंप्यूटिंग वर्कलोड के लिए 130 से अधिक पेटाफ्लॉप्स के अपेक्षित चरम प्रदर्शन के साथ, इसकी विशाल कम्प्यूटेशनल शक्ति एआई अनुप्रयोगों से परे फैली हुई है। इन कार्यों को पूरा करने के लिए, इज़राइल-1 अत्याधुनिक डेटा प्रोसेसिंग इकाइयों से सुसज्जित होगा, जिसे ब्लूफ़ील्ड-3 के रूप में जाना जाता है, जिसे इज़राइल में विकसित किया गया है।

एनवीडिया इस बात पर जोर देती है कि एआई की पूरी क्षमता को अनलॉक करने के लिए एंड-टू-एंड एआई क्षमताओं का वितरण महत्वपूर्ण है। बड़े पैमाने पर ट्रांसफार्मर-आधारित जनरेटिव एआई मॉडल के रन-टाइम को कम करके, इज़राइल-1 सटीक परिणाम प्राप्त करने और तेजी से सूचित निर्णय लेने के लिए नेटवर्क इंजीनियरों,

एआई डेटा वैज्ञानिकों और क्लाउड सेवा प्रदाताओं को सशक्त बनाता है। एआई प्रौद्योगिकियों का यह सहज एकीकरण परिचालन दक्षता को बढ़ाता है और उद्योगों में परिवर्तनकारी प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है।

2020 में एनवीडिया का मेलानॉक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का अधिग्रहण इजरायल में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने की अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। इस रणनीतिक कदम ने हाई-स्पीड सर्वर और स्टोरेज स्विचिंग सॉल्यूशंस को एनवीडिया के पोर्टफोलियो में ला दिया, जिससे सुपरकंप्यूटिंग क्षेत्र में इसकी स्थिति और मजबूत हो गई। इज़राइल में एक मजबूत अनुसंधान और विकास उपस्थिति के साथ, एनवीडिया की गतिविधियाँ देश में फलती-फूलती रहती हैं।